संयुक्त अपील

मध्य क्षेत्र के सभी अधिकारियों, विकास अधिकारियों और कर्मचारियों के नाम

दिनांक :19 फरवरी 2019

प्रिय साथियों,

विषय : 1 मार्च 2019 को एक घंटे की बहिर्गमन हड़ताल सफल बनायें

उपरोक्त विषय में फेडरेशन ऑफ एलआईसी क्लास 1 ऑफिसर्स एसोसिएशन, नेशनल फेडरेशन ऑफ इंश्योरेंस फील्ड वर्कर्स ऑफ इंडिया तथा ऑल इंडिया इंश्योरेंस एम्प्लॉइज एसोसिएशन द्वारा जारी संयुक्त परिपत्र का हिन्दी अनुवाद हम नीचे उद्धृत कर रहे है। आईए, 1 मार्च 2019 को एक घंटे की बहिर्गमन हड़ताल एवं उसकी तैयारी के कार्यक्रमों को सम्पूर्ण मध्य क्षेत्र मे शत प्रतिशत सफल करने की ओर बढ़ चले।

सब मिलकर लड़ेंगे, जीत हासिल करेंगे।

अभिवादन सहित

आपके साथी

के पी गुप्ता	**सौमित्र धर**	**डी आर महापात्र**
क्षेत्रीय महासचिव	क्षेत्रीय महासचिव	महासचिव
फेडरेशन ऑफ एलआईसी क्लास 1 ऑफिसर्स एसोसिएशन (मध्य क्षेत्र)	***नेशनल फेडरेशन ऑफ इंश्योरेंस फील्ड वर्कर्स ऑफ इंडिया (मध्य क्षेत्र)***	***सेंट्रल जोन इंश्योरेंस एम्प्लॉइज एसोसिएशन***

प्रिय साथियों,

वेतन पुनर्निर्धारण और पेंशन विकल्प पर 1 मार्च को एक घंटे की हड़ताल

फेडरेशन ऑफ एलआईसी– क्लास 1 ऑफिसर्स एसोसिएशन, नैशनल फेडरेशन ऑफ इंश्योरेंस फील्ड वर्कर्स ऑफ इंडिया और ऑल इंडिया इंश्योरेंस एम्प्लाईज एसोसिएशन के पदाधिकारियों ने 13 फरवरी, 2019 को हैदराबाद में बैठक सम्पन्न हुई, जिसमें उद्योग में व्याप्त मौजूदा स्थिति तथा कर्मचारियों की लंबित समस्याओं की स्थिति पर चर्चा की गई।

बैठक में प्रथम वर्षीय प्रीमियम आय में बाजार हिस्सेदारी में गिरावट व बाजार में प्रतिस्पर्धा के बढ़ते हुए स्तर को चिंता के साथ नोट किया गया। बैठक ने उम्मीद जताई कि एलआईसी चालू वित्त वर्ष 2018–19 की शेष अवधि में अच्छा प्रदर्शन करेगी, ताकि प्रीमियम आय और पॉलिसी, दोनों पर सकारात्मक परिणाम मिल सके। बैठक ने बाजार की परिस्थिति व विनियामक चुनौतियों का अध्ययन करने का भी निर्णय लिया और बाजार में निरंतर प्रभुत्व बनाए रखने के लिए जरूरी आवश्यक कदमों पर एलआईसी के साथ चर्चा की मांग करना भी तय किया। बैठक ने कर्मचारियों के सभी वर्गों से संबंधित मुख्य मुद्दों को भी नोट करते हुए प्रबंधन के समक्ष उन पर पहल करने का फैसला किया।

बैठक में कर्मचारियों के उन मुद्दों पर विस्तार से चर्चा की गई, जिन पर कर्मचारियों की वैध आकांक्षाओं को पूरा करने तथा प्रतिस्पर्धी वातावरण का मुकाबला करने के लिए, उपलब्ध प्रतिभा का विशाल समूह को प्रेरित करने हेतु प्रबंधन की ओर से तत्काल प्रतिक्रिया की आवश्यकता है।

....निरंतर

वेतन पुनर्निर्धारण :

बैठक ने नोट किया कि 1 अगस्त 2017 से देय वेतन पुनर्निर्धारण पर वार्ता अभी भी प्रारम्भ होना बाकी है। पिछले वेतन समझौते के बाद से कर्मचारियों की उच्च उत्पादकता और बेहतरीन ग्राहक सेवा की पृष्ठभूमि में, बैठक ने महसूस किया कि चार्टर के संतोषजनक निपटान के लिए प्रबंधन द्वारा वार्ता शुरू न करने का कोई औचित्य नहीं है। यूनियनों द्वारा प्रबंधन से जल्द वार्ता के लिए नियमित अनुरोधों और मांगों के बावजूद प्रतिक्रिया आ नहीं रही है। बैठक ने महसूस किया कि – सरकार से मंजूरी का इंतजार वाली सामान्य प्रतिक्रिया अब स्वीकार्य नहीं है। इस महत्वपूर्ण मुद्दे पर अत्यधिक विलंब निराशाजनक है और उद्योग में गंभीर अशांति पैदा कर रहा है। इन परिस्थितियों में, बैठक ने महसूस किया कि, वार्ता प्रारम्भ करने के लिए मजबूर करने एवं एक त्वरित सौहार्दपूर्ण निपटान के लिए आंदोलनात्मक तरीकों के लिए सहारा लेने के अलावा कोई विकल्प नहीं है।

पेंशन के लिए अंतिम विकल्प :

1995 पेंशन योजना में शामिल होने के लिए अंतिम विकल्प की मांग को उठाने के 10 साल बाद भी यह मांग अनसुलझी पड़ी हैं। इस मांग के कारणों और औचित्य को सभी अच्छी तरह से जानते है और इसे विस्तार से बताने की जरूरत नहीं है। पेंशन योजना के तहत लाभ में, महंगाई भत्ते के पूर्ण निष्प्रभावीकरण और पारिवारिक पेंशन के लिए निर्भर माता–पिता, तलाकशुदा / विधवा बेटियों को पात्रता की शुरूआत होने के बाद, सुधार हुआ है। यह न्यायपूर्ण होता कि कर्मचारियों को इन सुधारों के बाद एक बार फिर विकल्प का प्रयोग करने का अवसर दिया जाता, लेकिन दुर्भाग्य से ऐसा नहीं किया गया। अंतिम पेंशन विकल्प की मांग न्यायोचित है और इसे बगैर वक्त गवाएँ हासिल करना होगा।

कर्मचारियों की उपरोक्त लंबे समय से लंबित समस्याओं का संतोषजनक समाधान चाहने के साथ–साथ बैठक ने 1 अप्रैल, 2010 के बाद एलआईसी में भर्ती होने वाले कर्मचारियों पर सुनिश्चित अंशदान पेंशन योजना (डीसीपीएस) के एकतरफा थोपे जाने का भी विरोध किया। केंद्र और राज्य सरकारों और वित्तीय क्षेत्र की संस्थानों में एनपीएस (नई पेंशन योजना) के खात्मे और सभी कर्मचारियों को सुनिश्चित लाभ पेंशन योजना की मांग बढ़ती जा रही है। बैठक में तय किया गया कि एलआईसी में सुनिश्चित अंशदान पेंशन योजना (डीसीपीएस) को खत्म करने के मुद्दे पर जोर दिया जाना चाहिए व संघर्ष करना चाहिए।

गहन विचार–विमर्श के बाद बैठक ने निम्नलिखित कार्रवाई कार्यक्रम आयोजित करने का निर्णय लिया :

- **20 और 27 फरवरी, 2019 को सभी कार्यालयों के समक्ष भोजन अवकाश के दौरान द्वार प्रदर्शन.**
- **27 फरवरी, 2019 को केंद्रीय कार्यालय योगक्षेम मुंबई के समक्ष गेट मीटिंग, जिसे अखिल भारतीय नेतृत्व द्वारा संबोधित किया जाएगा.**
- **1 मार्च 2019 को दोपहर के भोजन अवकाश से पहले एक घंटे की बहिर्गमन हड़ताल.**

हम सभी कर्मचारियों से अनुरोध करते हैं कि उनकी जायज मांगें हासिल करने के लिए उपरोक्त कार्यक्रम को विराट रूप से सफल करें।

अभिवादन के साथ

हस्ता/–	हस्ता/–	हस्ता/–
एस राजकुमार	**विवेक सिंह**	**वी रमेश**
महासचिव	महासचिव	महासचिव
फेडरेशन ऑफ एलआईसी क्लास 1 ऑफिसर्स एसोसिएशन	***नेशनल फेडरेशन ऑफ इंश्योरेंस फील्ड वर्कर्स ऑफ इंडिया***	***ऑल इंडिया इंश्योरेंस एम्प्लॉइज एसोसिएशन***

1 मार्च की बहिर्गमन हड़ताल सफल कीजिए - संयुक्त संघर्ष जिन्दाबाद

Shivam Mudran, Bhopal